गुरु तेग बहादुर

प्रिलिम्स के लिये:

सिख धर्म के गुरुओं से संबंधित तथ्य

मेन्स के लिये:

सिख धर्म में गुरु तेग बहादुर का महत्त्व एवं उनके योगदान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में श्री गुरु तेग बहादुर जी का शहादत दिवस मनाया गया।

प्रमुख बिंदु

- **गुरु तेग बहादुर (1621-1675):**
  - गुरु तेग बहादुर नौवें सिख गुरु थे, जिन्हें अक्सर सिखों द्वारा 'मानवता के रक्षक' (श्रीष्ट-दी-चादर) के रूप में याद किया जाता था।
  - गुरु तेग बहादुर एक महान शिक्षक के अलावा एक उत्कृष्ट योद्धा, विचारक और कवि भी थे, जिन्होंने आध्यात्मिक, ईश्वर, मन और शरीर की प्रकृति के विषय में विस्तृत वर्णन किया।
  - उनके लेखन को पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' (Guru Granth Sahib) में 116 काव्यात्मक भजनों के रूप में रखा गया है।
  - ये एक उत्साही यात्री भी थे और उन्होंने पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में उपदेश केंद्र स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - इन्होंने ऐसे ही एक मिशन के दौरान पंजाब में चाक-नानकी शहर की स्थापना की, जो बाद में पंजाब के आनंदपुर साहिब का हिस्सा बन गया।
  - गुरु तेग बहादुर को वर्ष 1675 में दिल्ली में मुगल सम्राट औरंगज़ेब के आदेश के बाद मार दिया गया।
- **सिख धर्म**
  - पंजाबी भाषा में **'सिख' शब्द का अर्थ है 'शिष्य'**। सिख भगवान के शिष्य हैं, जो दस सिख गुरुओं के लेखन और शिक्षाओं का पालन करते हैं।
  - सिख एक **ईश्वर (एक ओंकार) में विश्वास** करते हैं। सिख अपने पंथ को **गुरुमत (गुरु का मार्ग- The Way of the Guru)** कहते हैं।
  - सिख परंपरा के अनुसार, **सिख धर्म की स्थापना** [गुरु नानक](#) **(1469-1539) द्वारा** की गई थी और बाद में नौ अन्य गुरुओं ने इसका नेतृत्व किया।
  - सिख धर्म का विकास **भक्ति आंदोलन और वैष्णव हिंदू धर्म से प्रभावित** था।
  - इस्लामिक युग में सिखों के उत्पीड़न ने **खालसा** की स्थापना को प्रेरित किया जो अंतरात्मा और धर्म की स्वतंत्रता का पंथ है।
  - गुरु गोविंद सिंह ने खालसा (जिसका अर्थ है 'शुद्ध') पंथ की स्थापना की जो सैनिक-संतों का विशिष्ट समूह था।
  - खालसा (Khalsa) प्रतिबद्धता, समर्पण और सामाजिक विवेक के सर्वोच्च सिख गुणों को उजागर करता है तथा ये पंथ की पाँच निर्धारित भौतिक वस्तुओं को धारण करते हैं, जो हैं:
  - केश (बिना कटे बाल), कंघा (लकड़ी की कंघी), कड़ा (एक लोहे का कंगन), कच्छा (सूती जांघिया) और कृपाण (एक लोहे का खंजर)।
  - यह उपदेश देता है कि विभिन्न नस्ल, धर्म या लिंग के लोग भगवान की नज़र में समान हैं।
- **सिख साहित्य:**
  - आदि ग्रंथ को सिखों द्वारा शाश्वत गुरु का दर्जा दिया गया है और इसी कारण इसे 'गुरु ग्रंथ साहिब' के नाम से जाना जाता है।
  - दशम ग्रंथ के साहित्यिक कार्य और रचनाओं को लेकर सिख धर्म के अंदर कुछ संदेह और विवाद है।

सिख धर्म के दस गुरु

गुरु नानक देव (1469-1539)	▪ ये **सिखों के पहले गुरु** और **सिख धर्म के संस्थापक** थे। ▪ इन्होंने '**गुरु का लंगर**' की शुरुआत की। ▪ वह **बाबर के समकालीन** थे।

	▪ गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर करतारपुर कॉरिडोर को शुरू किया गया था।
गुरु अंगद (1504-1552)	▪ इन्होंने **गुरुमुखी नामक नई लिपि का आविष्कार** किया और 'गुरु का लंगर' प्रथा को लोकप्रिय बनाया।
गुरु अमर दास (1479-1574)	▪ इन्होंने **आनंद कारज विवाह** (Anand Karaj Marriage) समारोह की शुरुआत की। ▪ इन्होंने सिखों के बीच **सती और पर्दा व्यवस्था** जैसी प्रथाओं को समाप्त कर दिया। ▪ ये **अकबर के समकालीन** थे।
गुरु राम दास (1534-1581)	▪ इन्होंने वर्ष **1577 में** अकबर द्वारा दी गई ज़मीन पर **अमृतसर की स्थापना** की। ▪ इन्होंने **अमृतसर में स्वर्ण मंदिर (Golden Temple) का निर्माण शुरू** किया।
गुरु अर्जुन देव (1563-1606)	▪ इन्होंने वर्ष **1604 में आदि ग्रंथ की रचना** की। ▪ इन्होंने **स्वर्ण मंदिर का निर्माण पूरा** किया। ▪ वे **शाहदीन-दे-सरताज** (Shaheeden-de-Sartaj) के रूप में प्रचलित थे। ▪ इन्हें **जहाँगीर** ने राजकुमार खुसरो की मदद करने के आरोप में मार दिया।
गुरु हरगोबिंद (1594-1644)	▪ इन्होंने सिख समुदाय को एक सैन्य समुदाय में बदल दिया। इन्हें **"सैनिक संत" (Soldier Saint)** के रूप में जाना जाता है। ▪ इन्होंने **अकाल तख्त की स्थापना** की और **अमृतसर शहर को मज़बूत किया**। ▪ इन्होंने **जहाँगीर और शाहजहाँ के खिलाफ युद्ध** छेड़ा।
गुरु हर राय (1630-1661)	▪ ये **शांतिप्रिय व्यक्ति** थे और इन्होंने अपना अधिकांश जीवन औरंगज़ेब के साथ शांति बनाए रखने तथा मिशनरी काम करने में समर्पित कर दिया।
गुरु हरकिशन (1656-1664)	▪ ये अन्य सभी गुरुओं में **सबसे कम आयु के गुरु** थे और इन्हें 5 वर्ष की आयु में गुरु की उपाधि दी गई थी। ▪ इनके खिलाफ औरंगज़ेब द्वारा **इस्लाम विरोधी कार्य के लिये सम्मन** जारी किया गया था।
गुरु तेग बहादुर (1621-1675)	▪ इन्होंने **आनंदपुर साहिब की स्थापना** की।
गुरु गोबिंद सिंह (1666-1708)	▪ इन्होंने **वर्ष 1699 में 'खालसा' नामक योद्धा समुदाय की स्थापना** की। ▪ इन्होंने एक नया **संस्कार "पाहुल" (Pahul)** शुरू किया। ▪ वह बहादुर शाह के साथ एक कुलीन के रूप में शामिल हुए। ▪ ये मानव रूप में **अंतिम सिख गुरु** थे और इन्होंने 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के गुरु के रूप में नामित किया।

स्रोत: पी.आई.बी.